

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

AI टूल्स और डेवलपर्स की भूमिका पर Google में बहस तेज़

Publisher

Published on 05 Jan 2026



तकनीकी दुनिया में एक वायरल पोस्ट ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के बीच भारी चर्चा छेड़ दी है। Google की सीनियर इंजीनियर **Jaana Dogan** ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X (पहले Twitter)** पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि **AI टूल्स** आज सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट पर कितना गहरा असर डाल रहे हैं — और यह विषय इंजीनियरिंग समुदाय में सबसे **विवादित (divisive)** माना जा रहा है।

Dogan का कहना है कि एक प्रतिस्पर्धी AI कोडिंग टूल **Claude Code** ने केवल [?] [?] [?] [?] में वह काम किया, जिसे Google के इंजीनियरों ने करीब एक साल तक विकसित किया था — इससे यह उजागर हुआ कि AI सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के परिदृश्य को तेजी से बदल रहा है। उनके शब्दों में: “मैं मंज़ाक नहीं कर रही हूँ और यह मज़ेदार भी नहीं है।”

AI बनाम पारंपरिक कोडिंग — मुख्य बहस

इस वायरल पोस्ट ने कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं जिन पर इंजीनियरों में मतभेद है:

- AI टूल्स किस हद तक भरोसेमंद हैं ?
- क्या AI द्वारा उत्पन्न कोड की गुणवत्ता, सुरक्षा और मौलिकता पर्याप्त है ?
- क्या AI बुनियादी प्रोग्रामिंग और डिजाइन क्षमता को कमजोर कर रहा है ?

कुछ इंजीनियर इसका स्वागत कर रहे हैं क्योंकि इससे प्रोडक्टिविटी और त्वरित प्रोटोटाइप संभव हुआ है, वहीं दूसरे यह चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि AI का उपयोग कोड गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है और मानव इंजीनियरों की भूमिका को बदल देगा।

AI उपकरणों की भूमिका और विवाद

AI आधारित कोडिंग टूल जैसे **Claude Code**, **Google Gemini** और अन्य मॉडल इंजीनियरों के दैनिक कार्य को सहायक तरीके से बदल रहे हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि ये टूल **रूटीन और साधारण कोडिंग कार्यों** को संभालने में मदद करेंगे, जिससे डेवलपर्स अधिक **उच्च स्तरीय डिज़ाइन और समस्या-समाधान** पर ध्यान दे सकेंगे। वहीं दूसरी ओर, कई इंजीनियर मानते हैं कि **AI-जनित कोड** पर पूरा निर्भरता जोखिम भरा हो सकता है क्योंकि यह कोड की गहन समझ और मानकों को कम कर सकता है।

तकनीकी समुदाय की प्रतिक्रिया

Google के भीतर और इंजीनियरिंग समुदाय में इस ट्वीट को लाखों व्यूज मिले हैं और यह दिखाता है कि AI कोडिंग के **लाभ और सीमाएँ** पर बहस अब सिर्फ तकनीकी चर्चा नहीं, बल्कि एक व्यापक **औद्योगिक प्रवृत्ति** बन चुकी है। यह बहस दर्शाती है कि AI उपकरण **नए सॉफ्टवेयर विकास के युग** को कैसे आकार दे रहे हैं — और यह कि पारंपरिक कौशल, AI-सहायता, और इंजीनियरिंग अनुभव के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.